डॉ. जॉन ओसवाल्ट, राजा, सत्र 22, भाग 2

2 राजा 9-10, भाग 2

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अब आइए अध्याय 10, श्लोक 1 से 17 पर नज़र डालें। फिर से, जैसा कि मैंने आपको यहाँ बताया है, यह कथा जिस तरह से विकसित की गई है और जो बातें कही गई हैं, जो बातें नहीं कही गई हैं, उन सभी में बहुत दिलचस्प है। ध्यान दें कि येहू ने सामरिया को एक पत्र भेजा था।

अब याद करो, तुम्हें अपना भूगोल याद है? यिज़्जेल यिज़्जेल घाटी के किनारे पर ग्रीष्मकालीन राजधानी है और सामरिया पहाड़ी इलाके में लगभग 20 या 25 मील दक्षिण-पश्चिम में है। इसलिए, येहू एक पत्र लिखता है। तुम्हारे साथ तुम्हारे स्वामी के बेटे हैं, और तुम्हारे पास रथ और घोड़े, एक किलाबंद शहर और हथियार हैं।

अब, जैसे ही यह पत्र तुम्हारे पास पहुंचे, अपने स्वामी के बेटों में से सबसे अच्छे और सबसे योग्य को चुनो, उसे उसके पिता की गद्दी पर बिठाओ, और फिर अपने स्वामी के घराने के लिए लड़ो। तुम्हें क्या लगता है कि उसने आगे बढ़कर सामरिया पर हमला क्यों नहीं किया? उसने यह युक्ति क्यों इस्तेमाल की? ठीक है, फिर से, मुझे लगता है कि हम एक बहुत ही चतुर आदमी को देख रहे हैं। वह बहुत ही नाजुक स्थिति में है।

जाहिर है कि उसके पास अपनी सेना का एक दल है जिसे वह अपने साथ लाया है, हालांकि ऐसा नहीं लगता कि वह पूरी सेना लेकर आया है। वह ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहता था। उसने राजा को मार डाला है।

उसने रानी माँ को मार डाला है। उसने यहूदा के राजा को मार डाला है। लेकिन उसने और क्या हासिल किया है? वह बहुत ही नाजुक स्थिति में है।

और शायद जाकर, शायद सामरिया के नेताओं को यह कहने के लिए उकसाया जाए कि, एक मिनट रुको। हमें इस आदमी के सामने क्यों झुकना है? चलो उसके सामने खड़े हो जाओ और उसे शहर की घेराबंदी करने दो। खैर, घेराबंदी एक बहुत ही नाजुक काम है।

यह बहुत लंबा चल सकता है। आपकी सेना इससे थक सकती है और आपके खिलाफ हो सकती है। तो फिर, हम एक बहुत ही चतुर आदमी को देखते हैं।

तो, चौथी आयत में, वे इतने भयभीत क्यों थे? दो राजा उसका विरोध नहीं कर सके। हाँ। अब, वह क्या कह रहा है? ठीक है, ठीक है।

राजा के रूप में, वे योद्धा रहे होंगे। और उसने कुछ योद्धाओं को हटा दिया है। उसने भय का बीज बो दिया है।

यह आदमी बहुत ही निर्णायक है, बहुत ही चतुर है। बहुत ही जल्दी काम करने वाला है। मैं फिर से कहता हूँ, वह वास्तव में बिल्कुल भी मजबूत स्थिति में नहीं है।

लेकिन, इज़ेबेल के तरीके को अपनाकर, उसने उसे डरा दिया है। और वे खुद को डराने-धमकाने देते हैं। फिर से, मैं इस बात को बहुत आगे नहीं बढ़ाना चाहता।

लेकिन मैं यह कहना चाहता हूँ कि प्रभु की सेवा में, हम ताकत की स्थिति से आ सकते हैं। या हम कमजोरी की स्थिति से आ सकते हैं। आप जानते हैं? खैर, मुझे नहीं लगता कि आप इसे खरीदना चाहेंगे, है न? या, अरे, मुझे दुनिया का सबसे अच्छा उत्पाद मिला है।

और यह आपके लिए और यह सब कर सकता है। और हम प्रभु की तरफ हैं। हम प्रभु की तरफ हैं।

आइए हम उनकी सेवा एक सही स्थिति से करें, ताकत की स्थिति से। विजेताओं की स्थिति से। आइए हम दुनिया से न डरें।

चलो ऐसा नहीं करते। खैर, मुझे नहीं पता कि हम ऐसा कर सकते हैं या नहीं। नहीं।

और इसलिए, वे कहते हैं, देखो, हम वही करेंगे जो तुम करना चाहते हो। कितना दिलचस्प है। हम किसी को राजा नहीं नियुक्त करेंगे।

तुम वही करो जो तुम्हें सबसे अच्छा लगे। उसने दूसरा पत्र लिखा। अगर तुम मेरी तरफ हो और मेरी बात मानो, तो अपने मालिक के बेटों के सिर लेकर कल इसी समय तक इज़ेबेल में मेरे पास आओ।

यहाँ कोई अगर, कोई और, कोई लेकिन नहीं है, है न? और ऐसा ही होता है। अब, जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में कहा, क्या वास्तव में 70 थे या नहीं, मुझे नहीं पता। इसका मतलब यह होगा कि अहाब और योराम काफी सक्रिय थे।

तो, यह 7 गुणा 10 हो सकता है। यह एक बहुत बड़ा समूह है। लेकिन किसी भी हालत में, उन्होंने राजकुमारों को पकड़ लिया और उन सभी को मार डाला, उनके सिर टोकरियों में रखे, और उन्हें येहू के पास भेज दिया।

उसने कहा कि सुबह तक उन्हें शहर के फाटक के प्रवेश द्वार पर दो ढेरों में रख दो। अब समय है कि लोग वहाँ से गुजरें और थोड़ा सोचें। अब, श्लोक 9 और 10 में उसका क्या मतलब है? वह सभी लोगों के सामने खड़ा हुआ और बोला, तुम निर्दोष हो।

मैं ही था जिसने अपने स्वामी के विरुद्ध षडयंत्र रचा और उसे मार डाला। लेकिन इन सभी को किसने मारा? तो जान लो कि यहोवा ने अहाब के घराने के विरुद्ध जो कुछ कहा है, वह बिना पूरा हुए नहीं रहेगा। यहोवा ने अपने सेवक एलिय्याह के द्वारा जो घोषणा की थी, उसे पूरा किया है।

वह क्या कहना चाह रहा है? तुमने कुछ नहीं किया। मैंने राजा को मार डाला। लेकिन इनको किसने मारा? वह क्या कह रहा है? माफ़? ठीक है, यह परमेश्वर के वचन की पूर्ति है।

उसने कहा, येहू के घराने के सभी लोग मारे जाएँगे। तो क्या यह सिर्फ़ एक साजिश है? क्या यह सिर्फ़ एक तख्तापलट है? क्या यह सिर्फ़ एक आम फ़ैसला है कि मैं राजा बनने जा रहा हूँ? उसका सवाल दिलचस्प है। क्या वह शायद यह कह रहा है कि भगवान ने इसे बनाया है? या शायद वह कह रहा है, अरे, यह बात सिर्फ़ मेरे और मेरे मुट्ठी भर सैनिकों से कहीं ज़्यादा फैल गई है।

आप देख सकते हैं कि यह अब यहाँ एक राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है। और आपको यह तय करना होगा कि आप किसकी तरफ़ हैं। मुझे लगता है कि इनमें से कोई भी संभव है।

लेकिन फिर से, जैसा कि फ़्रैन ने कहा है, यहाँ यह है। येहू खुद को भगवान का प्रतिनिधि मानता है। वह केवल खुद को राजा बनाने के लिए राजा के खिलाफ़ साजिश नहीं कर रहा है।

वह परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा है। लेकिन अब आयत 11 को देखें। इसलिए, येहू ने यिज़्रैल में अहाब के घराने के सभी लोगों को मार डाला, साथ ही उसके सभी प्रमुख लोगों, उसके करीबी दोस्तों और उसके पुजारियों को भी मार डाला, और किसी को भी जीवित नहीं छोड़ा।

इस बारे में क्या? परमेश्वर ने क्या कहा? कौन मरेगा? अहाब का परिवार। उसने अपने सभी प्रमुख लोगों, अपने करीबी दोस्तों और अपने पुजारियों के बारे में कुछ नहीं कहा, हालाँकि वे बाल के पुजारी हो सकते थे। ठीक है, अब इसे ध्यान में रखें।

और अब, येहू निकल पड़ा और सामरिया की ओर चला गया। ठीक है, वे लोग हार गए हैं। चलो वहाँ चलते हैं और अब मामला सुलझा लेते हैं।

चरवाहों के बेथ-एकेड में, वह यहूदा के राजा आहाज के कुछ रिश्तेदारों से मिला, और पूछा, तुम कौन हो? उन्होंने कहा कि हम अहज्याह के रिश्तेदार हैं। हम राजा और रानी माँ के परिवारों का अभिवादन करने आए हैं। वे कुछ भी नहीं जानते।

बेचारे जीव। उन्हें जीवित पकड़ो, उसने आदेश दिया। इसलिए, उसने उन्हें जीवित पकड़ लिया और बेथ-एकेड के कुएं के पास उन्हें मार डाला, उनमें से 42 थे।

उसने किसी को जीवित नहीं छोड़ा। यही शब्द हमने पद 11 में भी कहे थे, किसी को जीवित नहीं छोड़ा। हम यहाँ क्या देख रहे हैं? यह एक खूनी सफ़ाई है।

वह हर उस व्यक्ति और हर व्यक्ति को मिटा रहा है जिसे वह इसके लायक समझता है। परमेश्वर ने अहज्याह के रिश्तेदारों के बारे में कुछ नहीं कहा, अहज्याह के रिश्तेदारों के बारे में तो बिलकुल भी नहीं कहा। होशे की किताब पलटें।

होशे ने लगभग 100 साल बाद, दानियेल के ठीक बाद लिखा है। अध्याय 1 की आयत 3, इसलिए उसने देबालैम की बेटी गोमेर से विवाह किया, और वह गर्भवती हुई और उसके एक बेटे को जन्म दिया। प्रभु ने होशे से कहा, उसका नाम यिज़्रेल रख क्योंकि मैं जल्द ही यिज़्रेल में हुए नरसंहार के लिए येहू के घराने को दण्डित करूँगा, और मैं इस्राएल के राज्य का अंत कर दूँगा।

एक मिनट रुको। एक मिनट रुको। भगवान ने यह आदेश दिया है।

यहाँ क्या हो रहा है? इस समय, येहू की चौथी पीढ़ी सिंहासन पर है, और वह येहू राजवंश का अंत होगा। यारोबाम द्वितीय, ठीक है, उसका बेटा जकर्याह, जो लगभग दो साल तक चला। आप राजाओं के प्रकाश में होशे को कैसे समझाते हैं? परमेश्वर की योजना के अलावा अन्य तरीकों से परमेश्वर की इच्छा को पूरा करना संभव है।

मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि यह निर्णायक व्यक्ति बस बहक गया था। उसने अपने रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को मार डाला। मुझे लगता है कि इसे रक्तपिपासुता कहते हैं।

और मुझे यकीन है कि वह अपने व्यवहार को खुद के सामने सही ठहराने में सक्षम था। खैर, अगर मैंने उन सभी से छुटकारा नहीं पाया होता, तो वे पाँचवाँ स्तंभ बन गए होते। सवाल यह नहीं है कि मुझे क्या सही लगता है।

यह परमेश्वर की योजना है। आप परमेश्वर की इच्छा को ऐसे तरीके से पूरा कर सकते हैं जो परमेश्वर के तरीके से अलग हो। अब, अगले श्लोक, 2 राजा, श्लोक 15 पर वापस आते हैं, इनमें से बहुत सी रोचक छोटी-छोटी बातें हैं जिनके बारे में हमें पूरी तरह से यकीन नहीं है।

जब वह वहाँ से चला गया, तब उसे रेकाब का पुत्र यहोनादाब मिला, जो उससे मिलने के लिए आ रहा था। येहू ने उसको नमस्कार करके पूछा, क्या तू भी मेरे साथ वैसा ही है जैसा मैं तेरे साथ हूँ? हाँ, मैं वही हूँ। येहू ने कहा, यदि ऐसा है, तो अपना हाथ मुझे दे।

ऐसा ही किया और येहू ने उसे रथ पर चढ़ाया। येहू ने कहा, मेरे साथ आओ और यहोवा के लिए मेरी जलन देखो। तब उसने उसे अपने रथ पर चढ़ाया।

यिर्मयाह में, यिर्मयाह टूटी हुई वाचा से निपट रहा है। और वह रेकाबियों को यरूशलेम में लाता है। इन लोगों को उनके पिता रेकाब से शपथ दिलाई गई थी, कि वे कभी भी शहर में नहीं रहेंगे और कभी भी शराब नहीं पीएंगे।

खैर, वे शहर में हैं क्योंकि शहर की घेराबंदी की जा रही है, और वे शरण लेने के लिए आए हैं। लेकिन परमेश्वर यिर्मयाह से कहता है, उन्हें शराब पिलाओ। खैर, वे ऐसा नहीं करेंगे।

वे अपनी वाचा नहीं तोड़ेंगे, और यिर्मयाह फिर इसे इस्राएल के लोगों पर न्याय के रूप में इस्तेमाल करता है। ये लोग इस अपेक्षाकृत महत्वहीन मामले पर अपने पूर्वजों से किए गए वादे को निभाएँगे।

वे ऐसा नहीं करेंगे। वे अपने पिता के साथ की गई वाचा को नहीं तोड़ेंगे। लेकिन हमने क्या किया है? यिर्मयाह कहता है, हमने न केवल अपनी वाचा तोड़ी है, बल्कि हमने परमेश्वर की वाचा भी बदल दी है।

अब, मुझे लगता है कि यहाँ जो हो रहा है वह ठीक इसी आधार पर है। रेकाबियों ने परमेश्वर के विशेष सेवकों के रूप में अपनी वाचा बनाई। और मुझे लगता है कि यहाँ जो हो रहा है वह यह है कि योनादाब कहता है, अरे, मैं यहाँ एक आदमी को देख रहा हूँ, यह, जो अंततः हमें बाल पूजा से मुक्ति दिलाने जा रहा है।

और मैं उनके पक्ष में हूँ। मुझे लगता है कि यहाँ यही हो रहा है, हाँ, जो लोग एक जैसे विचार रखते हैं उन्हें एक साथ रहना चाहिए।